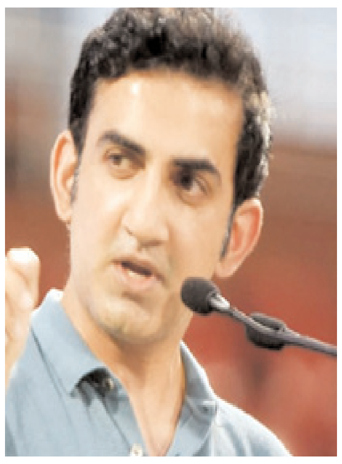

नई सोच का अखबार

अग्र भारत

www.agrabharat.in

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

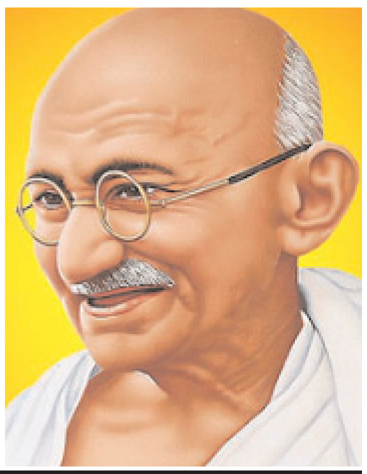

वर्षः 19 | अंकः 105 | आगरा, शुक्रवार 02 अक्टूबर 2026 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2.00 रु.

विपक्ष ने 'वोट चोरी' और ईवीएम के खिलाफ छेड़ा राष्ट्रव्यापी अभियान

नई दिल्ली(ए)। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन ने बुधवार को 'वोट चोरी' और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी कथित अनियमितताओं के खिलाफ एकजुट होने का संकल्प लेते हुए देशव्यापी अभियान चलाने और निर्वाचन आयोग के मुख्यालय तक विपक्षी सांसदों का मार्च निकालने का फैसला किया। गठबंधन ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की जगह मतपत्रों से चुनाव कराने की भी मांग की। गठबंधन के 19 घटक दलों के नेताओं ने तीन घंटे से अधिक समय तक मंथन के बाद छह-सूत्री साझा कार्ययोजना पर सहमति जताई। इसके तहत आगामी 2 से 8 अक्टूबर तक जिला स्तर पर 'लोकतंत्र बचाओ' मार्च निकाले जाएंगे। 6 अक्टूबर को विपक्षी सांसद निर्वाचन आयोग तक मार्च करेंगे और अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति से मुलाकात के लिए समय मांगेंगे। विपक्षी दलों की ओर से 5 बड़ी रैलियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें 1 नवंबर को दिल्ली में विशाल रैली भी शामिल है।

विपक्षी नेताओं ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि वह एसआईआर और चुनाव संबंधी सभी लंबित मामलों का जल्द निपटारा करे। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निर्वाचन आयोग का इस्तेमाल 'कठपुतली' की तरह कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल भारतीय संविधान के 'सामूहिक रक्षक' हैं और वे मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा मिले। उन्होंने उम्मीद जताई कि विपक्षी दल आने वाले कुछ महीनों में देश में महत्त्वपूर्ण बदलाव लाएंगे। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 'चोर और डाकू' बताते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में 'वोट चोरी' की गई और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम जलाकर सबूत नष्ट करने की कोशिश की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और ममता बनर्जी सहित विभिन्न विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ऑनलाइन माध्यम से अपने सुझाव साझा किए। आम आदमी पार्टी और द्रमुक बैठक में शामिल नहीं हुए, लेकिन उन्होंने वैचारिक रूप से गठबंधन के साथ होने की बात कही। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने राज्यसभा उम्मीदवारों के नामांकन के कारण अनुपस्थित रहे। वाम दलों ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ आंदोलन को 'इंडिया' गठबंधन तक सीमित नहीं रखने की अपील की, बल्कि सभी गैर-राजग दलों, नागरिक समाज, कलाकारों और प्रमुख हस्तियों को इसमें शामिल करने का आह्वान किया। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब मतदाता सूची के 'एसआईआर' में कथित अनियमितताओं को लेकर निर्वाचन अधिकारियों की आपत्तियों से संबंधित खबरें सामने आई थीं।

सीजेपी प्रमुख दीपके का मास्क वीडियो वायरल, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली (ए)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके इन दिनों अपनी पार्टी के आगामी आंदोलन की तैयारियों के सिलसिले में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हैं। यह आंदोलन 2 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्तावित है, जिसके लिए कॉकरोचों को शिवाजी मैदान में शाम 4 बजे एकत्रित होने का आह्वान किया गया है। इसी बीच, दीपके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह रुमाल का नकाब बांधे सड़क पर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी नाम का सोशल मीडिया हैंडल बनाने के बाद से अभिजीत दीपके रातों-रात खासे मशहूर हो गए हैं। सोशल मीडिया पर उनके करोड़ों फॉलोअर्स हैं। जहां एक ओर उनके प्रशंसकों की एक विशाल फौज है, वहीं आलोचकों की भी कमी नहीं। ऐसे में दीपके के लिए अब आम लोगों की तरह खुलकर घूमना-फिरना मुश्किल हो गया है। हाल ही में मुंबई में ट्रैफिक जाम के कारण जब उनकी गाड़ी आगे नहीं बढ़ पा रही थी, तो दीपके ने इस मौके को अपने लिए एक अवसर में बदल दिया। उन्होंने चेहरे पर रुमाल से नकाब बांधा और चेहरा छिपाकर सड़क पर पैदल चलने का लुत्फ लेने लगे। सीजेपी प्रमुख के किसी साथी ने इस पल को कैमरे में कैद किया और उनसे उनके अनुभव के बारे में पूछा। दीपके कई महीनों बाद इस तरह अकेले सड़क पर चलकर बेहद खुश हुए। उन्होंने इसे मस्त अनुभव बताया और कहा, मैं कई महीने बाद इस तरह सड़क पर चल रहा हूं। थैंक्स टू रोड ब्लॉक, यहां एक रोड ब्लॉक हुआ था इसलिए हमें कार से उतरकर पैदल चलना पड़ रहा है। कोई नहीं है साथ में, अच्छा लग रहा है। इससे पहले नीट पेपर लीक मामले में दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक चले आंदोलन के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया था। इस सफलता से सीजेपी के हौसले बुलंद हैं। अब संगठन ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन चलाने की घोषणा की है, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर को मुंबई के शिवाजी मैदान में होगी। सीजेपी ज्ञानेश कुमार से एसआईआर प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी का आरोप लगाकर उनके इस्तीफे की मांग कर रही है।

पिछले 12 सालों में एक वर्ग को लगा देश का ठेका सिर्फ उसके पास हैः सीजेपी

नई दिल्ली,(ए)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सह-संयोजक सौरव दास ने कहा है कि देश में बदलाव तभी संभव है, जब हर व्यक्ति इसमें अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि पिछले 12 सालों में सबसे खराब बात यह हुई कि समाज के एक हिस्से को लगा कि देश की जिम्मेदारी सिर्फ उसके पास है। युवाओं ने इस सोच को बदलने का काम किया है और अब देश में हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सौरव दास ने एक पोस्ट में कहा कि पिछले 12 सालों में एक वर्ग को लगा कि देश का ठेका सिर्फ उसके पास ही है। अब इसे युवाओं ने बदल दिया है। इस देश में हर किसी का ठेका है और इसलिए व्यवस्था बदलने के लिए हर व्यक्ति की कोशिश जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनके विरोध प्रदर्शन में आने वाले हर व्यक्ति का स्वागत है। सौरव दास का यह बयान ऐसे समय आया है, जब सीजेपी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर अपना विरोध तेज कर दिया है। संगठन ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता अधिकारों को लेकर सवाल उठाते हुए ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग की है।

रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी ने कहा है कि अगर ज्ञानेश कुमार 48 घंटे के अंदर इस्तीफा नहीं देते हैं तो देशभर में विरोध प्रदर्शन किया जाएंगे और इसके बाद दिल्ली में 'जंतर-मंतर 2.0' जैसा प्रदर्शन किया जाएगा। दास ने अपने बयान में इस अभियान को केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन का मुद्दा बनाने के बजाय लोगों की भागीदारी से जोड़ने की बात कही। उनका कहना है कि व्यवस्था में बदलाव की कोशिश तभी आगे बढ़ सकती है, जब ज्यादा से ज्यादा लोग अपनी आवाज उठाएं।

सीजेपी ने दावा किया है कि मतदाता सूची में नाम हटाए जाने और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े फैसलों को लेकर पारदर्शिता जरूरी है। इन मुद्दों को लेकर संगठन ने 'इलेक्शन कमीशन ठीक करो' अभियान शुरू करने की भी बात कही है। बता दें सीजेपी इससे पहले नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर चुकी है। इसके बाद संगठन ने सरकारी स्कूलों और ग्रामीण इलाकों की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी अभियान चला रही है। अब चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दे को लेकर संगठन ने अपना अभियान आगे बढ़ाया है। दास के मुताबिक देश में बदलाव के लिए युवाओं समेत हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है और उनके प्रदर्शन में शामिल होने वाले सभी लोगों का स्वागत किया जाएगा।

सीएम विजय ने पीएमके को सरकार में दो कैबिनेट पद देने का दिया प्रस्ताव

चेन्नई,(ए)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़े सियासी बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। सीएम सी जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) और पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है। सूत्रों के मुताबिक विजय ने पीएमके को अपनी सरकार में दो कैबिनेट पद देने का प्रस्ताव दिया है। इस संभावित गठजोड़ में सबसे बड़ा पेंच पीएमके के बीजेपी के साथ मौजूदा संबंधों का है, जिसे औपचारिक फैसले से पहले तोड़ना पड़ सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दलों के बीच बातचीत पीएमके नेता अनबुमणि रामदास और सीएम विजय थलपति के राजनीतिक सलाहकार जॉन अरोकीआसामी के जरिए से हो रही है। अरोकीआसामी 2016 के विधानसभा चुनाव में भी पीएमके की राजनीतिक रणनीति पर काम कर चुके हैं। पीएमके का आगामी 6 अक्टूबर को होने वाले मदुरंतकम और धरापुरम उपचुनाव में तटस्थ रहने का फैसला भी इस बड़ी राजनीतिक बातचीत का हिस्सा माना जा रहा है।

2026 के विधानसभा चुनाव में पीएमके ने एआईएडीएमके-बीजेपी गठबंधन के साथ लड़ा था और चार सीटों पर जीत हासिल की थी, लेकिन अब उसका तटस्थ रुख टीवीके के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। टीवीके सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि प्रस्ताव में अनबुमणि रामदास की पत्नी और पीएमके की फ्लोर लीडर सौम्या अनबुमणि को एक कैबिनेट पद मिल सकता है, जबकि दूसरा पद पीएमके विधायक ए गणेश कुमार को दिए जाने की चर्चा है।

हालांकि, पीएमके को गठबंधन में शामिल करना आसान नहीं होगा। टीवीके के एक अन्य सहयोगी दल विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) और पीएमके के बीच ऐतिहासिक टकराव रहा है, जिससे गठबंधन के भीतर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इसके बावजूद टीवीके नेताओं का मानना है कि वीसीके के लिए विजय का साथ छोड़ना मुश्किल होगा क्योंकि दलित मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन सीधे विजय की ओर जाता दिख रहा है।

कम्युनिस्ट पार्टियां भी पीएमके के आने से टीवीके से दूरी बना सकती हैं, जैसा कि उपचुनावों में उनके स्वतंत्र लड़ने से दिख रहा है। सबसे बड़ी चुनौती पीएमके के लिए बीजेपी के साथ अपने रिश्ते को तोड़ना है। यदि पीएमके औपचारिक रूप से विजय के खेमे में जाती है, तो यह तमिलनाडु की विपक्षी राजनीति में एक अहम समीकरण बदल देगा और राज्य में एक नए सियासी अध्याय की शुरुआत हो सकती है।

थलौट में बनेगी हिमाचल की पहली 500 मीटर लंबी बॉक्स टनल

नई दिल्ली,(ए)। कीतरपुर-मनाली फोरलेन प्रोजेक्ट के तहत मंडी जिले के थलौट में हिमाचल प्रदेश की पहली बॉक्स टनल बनाई जा रही है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी (एनएचएआई) के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि थलौट और औट बाजार के पास फोरलेन को कट एंड कवर के जरिए गुजारा गया था। थलौट बाजार में एक और औट बाजार में दो कट एंड कवर बनाए गए थे। यह कट एंड कवर भी बॉक्स टनल की तरह ही होते हैं लेकिन बॉक्स टनल की शेप स्क्वेयर में होती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2023 की आपदा में थलौट बाजार का कट एंड कवर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद एनएचएआई ने यहां पर बॉक्स टनल की प्रपोजल बनाया और केंद्र से इसकी मंजूरी मिलने के बाद अब कार्य शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि 200 करोड़ की लागत से बनने वाली 500 मीटर लंबी बॉक्स टनल के कार्य को एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह आर्टिफिशल टनल होगी जिसे ब्लॉक्स के जरिए बनाया जाएगा। कुल्लू-मनाली की तरफ जाने वाले सारे ट्रैफिक को यहीं से भेजा जाएगा जबकि आने वाला ट्रैफिक औट की पुरानी टनल से होकर आएगा। जब यह बॉक्स टनल बन जाएगी तो उसके बाद औट में बनाई गई नई टनल भी शुरू हो पाएगी। 2023 की आपदा में कट एंड कवर को नुकसान के साथ ही साथ लगते कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा था। एनएचएआई ने सारे नुकसान का आंकलन करके प्रभावितों के लिए 20 करोड़ की राशि मंजूदर की है जिसमें से 12 करोड़ की राशि एसडीएम बालीचौकी के पास जमा करवा दी गई है। बता दें हिमाचल प्रदेश में कीरतपुर से मनाली के बीच फोरलेन बन रहा है। इसमें कीरतपुर से मनाली के बीच में कुछ हिस्सों का काम होना बाकी है और बन चुके फोरलेन पर वाहनों की आवाजाही शुरु हो गई है।